चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक जागरण........

दिनांक ..4.8.2019.. पृष्ठ सं. ..17.. कॉलम ..4-7..

जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती : प्रो. सिंह

जागरण संवाददाता, हिसार : जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ अधिक से अधिक वृक्ष लगाना अति आवश्यक है। इसी के मद्देनजर विश्वविद्यालय परिसर में तथा इसके बाहरी केंद्रों पर वन महोत्सव के माध्यम से वृक्षों की संख्या बढ़ाने पर ज्यादा से ज्यादा बल दिया जा रहा है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विश्वविद्यालय में वन महोत्सव का शुभारंभ के मौके पर कही।

पौधारोपण करते कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य । ● जागरण

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक वर्ष के 100 पौधों के हिसाब से पांच हजार से अधिक नए पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत अगस्त माह में विभिन्न औषधीय, फलदार एवं अन्य छायादार पौधे जिसमें नीम, पीपल, बरगद, अर्जुन, जामुन, पिलखन तथा कैसुरीना शामिल हैं, विश्वविद्यालय परिसर में लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाई आक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। इस दौरान लैंडस्कैप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डा. एसके सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय में पौधरोपण का यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा।

इस अवसर पर भूपपूर्व डीन डा. एसएस पाहुजा, लैंडस्कैप आफिसर डा. करण सिंह अहलावत, यशवंत बादल तथा सुरेंद्र बूरा आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... हरि भूमि .....

दिनांक 5.8.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 3-6

हकृवि में लगेंगे 5 हजार नए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है। जिससे निपटने

- हकृवि के कुलपति में वन महोत्सव का किया शुभारंभ

हिसार। पौधरोपण करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। फोटो : हरिभूमि

के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ अधिक से अधिक वृक्ष लगाना अति आवश्यक है। इसी के मद्देनजर विश्वविद्यालय परिसर में तथा इसके बाहरी केंद्रों पर वन महोत्सव के माध्यम से वृक्षों की संख्या बढ़ाने पर ज्यादा से ज्यादा बल दिया जा रहा है।

यह बात हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विश्वविद्यालय में वन महोत्सव का शुभारंभ के मौके पर कही। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के 50 वर्ष पुरे होने पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक वर्ष के 100 पौधों के हिसाब से 5000 से अधिक नए पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत अगस्त माह में विभिन्न औषधीय, फलदार एवं अन्य छायादार पौधे जिसमें नीम, पीपल, बरगद, अर्जुन, जामुन, पिलखन तथा कैसुरीना शामिल हैं, विश्वविद्यालय परिसर में लगाए जाएंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय में पहले से लगे वृक्षों की कटाई-छंटाई करके उन्हें और सुंदर बनाने तथा विशेष स्थलों पर विशेष किस्म के पौधे रोपित करने तथा पौधारोपण के साथ संरक्षण के लिए लैंडस्केप इकाई को निर्देश दिए। इस अवसर पर लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि विवि में पौधरोपण का यह कार्यक्रम जारी रहेगा और विशेषकर उन स्थानों पर जहां कम पेड़ हैं वहां पौधे रोपित किए जाएंगे।

इस मौके पर उपस्थित कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी, रजिस्ट्रार, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों ने भी पौधे रोपित किए। इस अवसर पर भूपपूर्व डीन डॉ. एसएस पाहुजा, लैंडस्केप आफिसर डॉ. करण सिंह अहलावत, यशवंत बादल तथा सुरेंद्र बूरा ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 5.8.2019 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 7-8

एचएयू ने 5 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य तय

भास्कर न्यूज | हिसार

जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ अधिक से अधिक वृक्ष लगाना अति आवश्यक है। इसी के मद्देनजर विश्वविद्यालय परिसर में तथा इसके बाहरी केन्द्रों पर वन महोत्सव के माध्यम से वृक्षों की संख्या बढ़ाने पर ज्यादा से ज्यादा बल दिया जा रहा है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय में वन महोत्सव का शुभारंभ के मौके पर कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक वर्ष के 100 पौधों के हिसाब से 5000 से अधिक नए पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसके तहत अगस्त माह में विभिन्न औषधीय, फलदार एवं अन्य छायादार पौधे जिसमें नीम तथा कैसुरीना शामिल हैं, विश्वविद्यालय परिसर में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाईआक्साइड गैस काही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......अमर उजाला......

दिनांक ...14...8...2019... पृष्ठ सं. ......6...... कॉलम ......3-5......

जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती : डॉ. केपी सिंह

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ अधिक से अधिक पौधे लगाना अति आवश्यक है। इसी के मद्देनजर विश्वविद्यालय परिसर में तथा इसके बाहरी केंद्रों पर वन महोत्सव के माध्यम से वृक्षों की संख्या बढ़ाने पर ज्यादा बल दिया जा रहा है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विश्वविद्यालय में वन महोत्सव का शुभारंभ के मौके पर कही।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक वर्ष के 100 पौधों के हिसाब से 5000 से अधिक नए पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाईआक्साईड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी आक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। इसलिए अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है। लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय में पौधरोपण का यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर स्टाफ सदस्यों ने भी पौधे रोपित किए। इस अवसर पर भूतपूर्व डीन डॉ. एसएस पाहुजा, लैंडस्केप आफिसर डॉ. करण सिंह अहलावत, यशवंत बादल, सुरेंद्र बूरा आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नित्य शान्ति एक्सप्रेस............
दिनांक ...3...8...2019 पृष्ठ सं. ......3...... कॉलम ...1-4............

जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती : केपी सिंह

हिसार, 3 अगस्त (निस)। जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ अधिक से अधिक वृक्ष लगाना अति आवश्यक है। इसी के मद्देनजर विश्वविद्यालय परिसर में तथा इसके बाहरी केन्द्रों पर वन महोत्सव के माध्यम से वृक्षों की संख्या बढ़ाने पर ज्यादा से ज्यादा बल दिया जा रहा है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विश्वविद्यालय में वन महोत्सव का शुभारंभ के मौके पर कही। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के 50 वर्ष पुरे होने पर स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक वर्ष के 100 पौधों के हिसाब से 5000 से अधिक नए पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत अगस्त माह में विभिन्न औषधीय, फलदार एवं अन्य छायादार पौधे

जिसमें नीम, पीपल, बरगद, अर्जुन, जामुन, पिलखन तथा कैसुरीना शामिल हैं, विश्वविद्यालय परिसर में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइआक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। इसलिए अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को एक सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपना योगदान देना चाहिए। वृक्ष न केवल आक्सीजन व छाव देता है बल्कि बारिश करने व भू-जल बढ़ाने में, मिट्टी के जहरीले पदार्थों को सोखने, तापमान को नियंत्रित करने, हवा को फिल्टर कर फेफड़ों को बचाने, वायु प्रदुषण व ध्वनि प्रदुषण से बचाने, जैव विविधता बढ़ाने, विभिन्न प्रकार की दवाइयां बनाने इत्यादि अनेकों कार्यों में सहायक हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में पहले से लगे वृक्षों की कटाई-छंटाई करके उन्हें और सुंदर बनाने तथा विशेष स्थलों पर विशेष किस्म के पौधे रोपित करने तथा पौधारोपण के साथ-साथ उसके संरक्षण के लिए लैंडस्केप इकाई को निर्देश दिए।

इस अवसर पर लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय में पौधारोपण का यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा जिसके अंतर्गत विशेषकर उन स्थानों पर जहां कम पेड़ हैं वहां पौधे रोपित किए जाएंगे। इस मौके पर उपस्थित कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी, रजिस्ट्रार, अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों ने भी पौधे रोपित किए। इस अवसर पर भूतपूर्व डीन डॉ. एस.एस. पाहुजा, लैंडस्केप आफिसर डॉ. करण सिंह अहलावत, यशवंत बादल तथा सुंदर बूरा व अन्य सेवानिवृत कर्मचारियों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया।